लामडिंग दर्पण

पूर्वोत्तर सीमा रेल, लामडिंग मंडल

अगरतला स्टेशन

वर्ष -1 अंक -4 अक्टूबर-दिसम्बर 2010

मंडल रेल प्रबंधक का संदेश

लामडिंग मंडल विविध विषमताओं के बावजूद मौजूदा चुनौतियों का सामना करते हुए लक्ष्य की ओर निरंतर अग्रसर है। बहुभाषी क्षेत्र होने के नाते मंडल में हिंदी की उपयोगिता काफी अधिक है। यात्री यातायात तथा कार्मिक सुविधाओं के साथ-साथ हिंदी के प्रयोग-प्रसार में निरंतर विस्तार किया जाना हमारी प्राथमिकता है। मंडल से कई नई रेल गाड़ियों का शुभारंभ किया जाना यातायात में वृद्धि लाने का प्रयास है। गुवाहाटी स्टेशन को विश्व स्तरीय स्टेशन के रूप में विकसित करने के लिए चिन्हित किया गया है। अगरतला, डिमापुर तथा सिलचर स्टेशनों पर 'मल्टी फंक्शनेल कॉम्प्लैक्स' बनाने का कार्य प्रगति पर है।

हमारे देश की राजभाषा हिंदी विश्व के समृद्ध भाषाओं में से एक है। राष्ट्रीय एकता को साकार बनाने के लिए देश के अधिकांश जनता द्वारा बोली जाने वाली हिंदी भाषा को समृद्ध एवं सशक्त बनाने में पत्रिकाओं का सराहनीय योगदान होता है। सूचना क्राति, वैश्वीकरण तथा बढ़ते उपभोक्ता बाजार के कारण हिंदी को अपनाना आज की आवश्यकता बन गई है। तकनीकी विकास से उभरते बदलाव को आत्मसात करने की क्षमता हिंदी में अंतर्निहित है। इंटरनेट पर निरंतर हिंदी वेबसाइटों में वृद्धि, निःशुल्क हिंदी साफ्टवेयरों की उपलब्धता तथा गूगल द्वारा हिंदी अनुवाद की सुविधा उपलब्ध कराया जाना हिंदी के विकास एवं समृद्धि के उत्तम प्रयास हैं। आवश्यकता इस बात की है कि हम इन सुविधाओं की जानकारी हासिल कर इनका सदुपयोग करें। साथ ही हिंदी का व्यापक प्रयोग करते हुए मुस्कान के साथ उपभोक्ताओं की सेवा में हमेशा तत्पर रहें।

मंडल रेल प्रबंधक

अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी की कलम से.

भारतीय रेल देश की जीवनरेखा है और राजभाषा हिंदी करोड़ों भारतीयों की वाणी है। हिंदी संपूर्ण देश को एक सूत्र में पिरोने की महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करती है। रेलों पर हिंदी का प्रचार-प्रसार निरंतर बढ़ा है। संघ की राजभाषा होने के कारण प्रशासन का उत्तरदायित्व बनता है कि अपने कार्यालयों में निर्धारित स्तर तक हिंदी का प्रयोग बढ़ाए। राजभाषा नियमों तथा निदेशों के कार्यान्वयन के लिए अनेक प्रकार के कदम उठाए जाते हैं। 'लामडिंग दर्पण' पत्रिका का प्रकाशन भी इसका एक अंश है। आशा है कि हिंदी के प्रयोग-प्रसार में पत्रिका की भूमिका महत्वपूर्ण सिद्ध होगी। 'लामडिंग दर्पण' के प्रकाशन में मंडल रेल प्रबंधक की प्रेरणाओं के लिए प्रकाशक मंडली सदा कृतज्ञ है।

विशेष कार्य अधिकारी

अध्यक्ष रेलवे बोर्ड का दौरा

श्री विवेक सहाय, अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड ने 27 एवं 28 नवम्बर 2010 को मंडल के कामाख्या से जखलाबंधा स्टेशनों तक का अंतिम वाहन निरीक्षण किया। सेक्शन के रेल पथ पर गति की उत्कृष्टता से प्रभावित होकर उन्होंने लामडिंग मंडल को एक लाख रूपए नकद पुरस्कार मंजूर किया।

श्री विवेक सहाय, अध्यक्ष रेलवे बोर्ड एवं
श्री केशव चंद्रा, महाप्रबंधक, पू.सी.रेल लामडिंग मंडल में

विश्व धरोहर राष्ट्रीय उद्यान काजीरंगा के पर्यटन के लिए गुवाहाटी महानगर से लामडिंग मंडल के जखलाबंधा रेल स्टेशन की दूरी मात्र 165 कि.मी. है। तिनसुकिया मंडल के नजदीकी स्टेशन फरकटिंग की दूरी 320 कि.मी. तथा रंगिया मंडल के तेजपुर रेल स्टेशन की दूरी 195 कि. मी. है। अतः जखलाबंधा स्टेशन पर हॉलीडे होम, विश्रामालय आदि का निर्माण तथा नई गाड़ियों का विस्तार किए जाने पर पर्यटन की दृष्टि से स्टेशन का महत्व बढ़ेगा।

डीईएमयू कार अनुरक्षण शेड तथा कर्मभूमि एक्सप्रेस का शुभारंभ

24 दिसम्बर, 2010 को कामाख्या स्टेशन पर आयोजित रंगा-रंग कार्यक्रम के दौरान श्री मुकुल राय,राज्य मंत्री(जहाज रानी) भारत सरकार द्वारा पांडु में डीईएमयू कार अनुरक्षण शेड का शिलान्यास किया गया। साथ ही उन्होंने कामाख्या स्टेशन से 15611/15612 एलटीटी (मुंबई) कर्मभूमि एक्सप्रेस एवं गुवाहाटी-मरियानी इंटरसिटी एक्सप्रैस 15717/15718 को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। माननीय सांसद (राज्यसभा) श्री भुवनेश्वर कलिता तथा माननीय सांसद (लोकसभा) श्रीमती विजया चक्रवर्ती भी इस अवसर पर मंत्री महोदय के साथ उपस्थित थे।

रेल गाड़ी को हरी झंडी दिखा कर रवाना करते हुए श्री मुकुल राय राज्य मंत्री(जहाजरानी) भारत सरकार, अन्य सांसद, महाप्रबंधक एवं अधिकारीगण

हिल सेक्शन-एक कड़ी चुनौती

8 अक्टूबर 2010 की रात से मूसलधार वर्षा के परिणाम स्वरूप लामडिंग-बदरपुर सेक्शन में 36 स्थलों पर भूस्खलन होने कारण रेल पथ बुरी तरह बाधित हुआ। इनमें माहुर-मिग्रेनडिसा स्टेशनों के बीच कि.मी.93/9-94/0 पर का भूस्खलन का दृश्य सबसे भयावह था। इसमें लगभग 50 मीटर तक रेल पटरी के नीचे की जमीन बह गई थी। दूसरा स्थल मिग्रेनडिसा-हरंगाजाओ स्टेशनों के बीच कि.मी. 130/0-4 का था जिसमें 200 मीटर रेल पथ प्रभावित हुआ था। अनवरत वर्षा के बावजूद कुशल कार्मिकों के अथक प्रयास एवं कार्य कुशलता के परिणाम स्वरूप 18 अक्टूबर, 2010 को यातायात पुनः बहाल करना मंडल की एक विशेष उपलब्धि रही। कार्मिकों के कार्य कुशलता से प्रभावित होकर रेलवे बोर्ड ने दो लाख रूपए पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया।

माहुर-मिग्रेनडिसा स्टेशनों के बीच कि.मी.93/9- 94/0 पर का भूस्खलन का दृश्य

दूरसंचार

लामडिंग मंडल के 34 स्टेशनों के रिले रूमों में फ्यूज मॉनिटरिंग यूनिट स्थापित किए गए हैं। फ्यूज मॉनिटरिंग यूनिट और ऑटोमेटिक चेंजओवर प्रणाली रेलवे सिगलिंग संस्थापन में दिए गए विभिन्न फ्यूजों का लगातार मॉनेटरिंग ही नहीं करता वल्कि यह अतिरिक्त फ्यूज पर भी परिवर्तित हो जाता है। यह एक साथ दोनों मुख्य एवं अतिरिक्त फ्यूज का मॉनेटरिंग करता है और फ्यूज के विफल होने पर श्रव्य/दृश्य अलार्म से संकेत देता है।

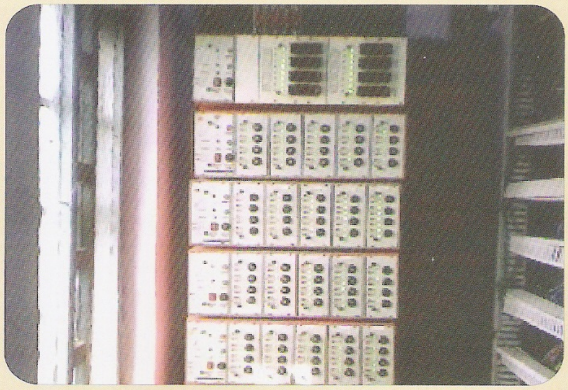

फ्यूज मॉनिटरिंग यूनिट का दृश्य

प्रमुख विभागीय गतिविधियाँ

सिगनल

लामडिंग मंडल के बी.जी. मेन लाइन सहित बदरपुर क्षेत्र के एम.जी. सेक्शन के कुल 30 समपार फाटकों में तार सह वेतार समपार फाटक उपकरण स्थापित किया गया। यह उपकरण तार सह वेतार पद्धति युक्त है। लाइन के तार की विफलता के दौरान (क्वार्ड केबुल) वेतार पद्धति में कार्य करेगा। इस समपार फाटक उपकरण में ध्वनि संचार और एसएमएस सुविधा उपलब्ध है।

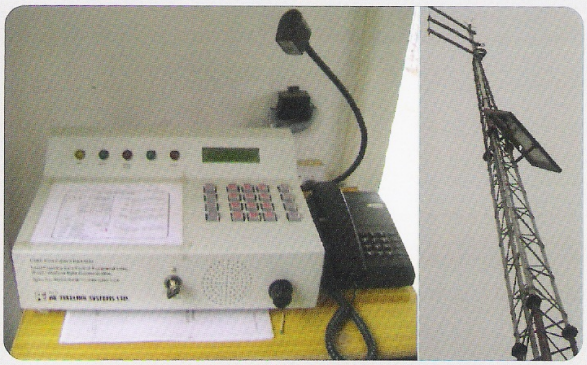

तार सह वेतार समपार फाटक उपकरण

चिकित्सा

मुख्य चिकित्सा निदेशक, मालीगॉव डॉ एच.एस. मीना की उपस्थिति में मंडल चिकित्सालय, लामडिंग में पूर्वोत्तर सीमा रेल का क्षेत्रीय अनवरत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम (CME) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्वोत्तर सीमा रेल के विभिन्न मंडलों के चिकित्सा प्रभारी, डाक्टर सहित राजकीय चिकित्सालय लामडिंग के डाक्टर एवं मंडल के अधिकारियों ने सहभागिता किया। कार्यक्रम का वैज्ञानिक सत्र दो चरणों में संपन्न हुआ। अतिथि वक्ता सहित लामडिंग के वक्ताओं ने हृदयरोग, मधुमेह एवं इसी प्रकार के अन्य लंबी बीमारियों से संबद्ध विषयों पर अपने वैज्ञानिक व्याख्यान दिए। संपूर्ण कार्यक्रम प्रभावशाली, ज्ञानवर्धक, सूचना परक, लाभदायी एवं सुखद् अनुभूति संपन्न रहा।

दीप प्रज्वलित करते हुए मुख्य चिकित्सा निदेशक, मालीगॉव डॉ एच.एस. मीना साथ में अपर मंडल रेल प्रबंधक, लामडिंग श्री हरपाल सिंह

कार्मिक

कर्मचारी कल्याण (अक्टूबर-दिसम्बर)

- अवधि के दौरान 42 कर्मचारियों को पदोन्नत किया गया।
- अनुकम्पा के आधार पर 64 व्यक्तियों को नियुक्ति प्रदान की गई।
- सेवानिवृति के कुल 122 मामलों का निपटारा किया गया।

सेवानिवृति के समापक भुगतान का दृश्य

प्रचालन

गैर-अंतर्पाशन : न्यूगुवाहाटी, नूनमाटी और नारंगी स्टेशनों पर गैर-अंतर्पाशन का कार्य दिसम्बर, 10 तक पूरा कर लिया गया। इससे अब दोहरी इकहरी लाइन सुविधा का विस्तार कामाख्या से नारंगी स्टेशन तक हो गया है।

बी.जी. लदान : पिछले वर्ष की समान अवधि की 52.0 बी.जी. वैगन औसत प्रतिदिन लदान की तुलना में दिसम्बर 2010 तक औसत प्रतिदिन लदान 61.4 बी.जी. वैगन रहा।

एम.जी. लदान : पिछले वर्ष की समान अवधि की 22.8 एम. जी. वैगन औसत प्रतिदिन लदान की तुलना में दिसम्बर 2010 तक औसत प्रतिदिन का लदान 38.3 एम.जी. वैगन रहा।

यानांतरण : पिछले वर्ष की समान अवधि की औसत प्रतिदिन 25.8 वैगन बी.जी. से एम.जी. में यानांतरण की तुलना में दिसम्बर 2010 तक औसत प्रतिदिन यानांतरण 38.5 वैगन तथा एम.जी. से बी.जी. में 2.4 की तुलना में 5.4 वैगन रहा।

हिल थ्रू पुट : पिछले वर्ष की समान अवधि की 69.5 और 68. 7 वैगन की तुलना में दिसम्बर 2010 तक अप एवं डाउन दिशाओं में हिल थ्रू पुट क्रमशः 95.4 और 94.3 वैगन रहा।

" हिंदी हमारे देश की धड़कन है, जिसे देश के हित में गतिशील बनाए रखना हम सब की राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। "

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस

वाणिज्य

वर्ष 2009 एवं 2010 के अंतिम तीन महीनों (अक्टूबर से दिसम्बर) के दौरान हुए यात्री यातायात, अन्य कोचिंग, माल एवं विविध अर्जन की तुलनात्मक स्थिति-

(अर्जन करोड़ रु में)

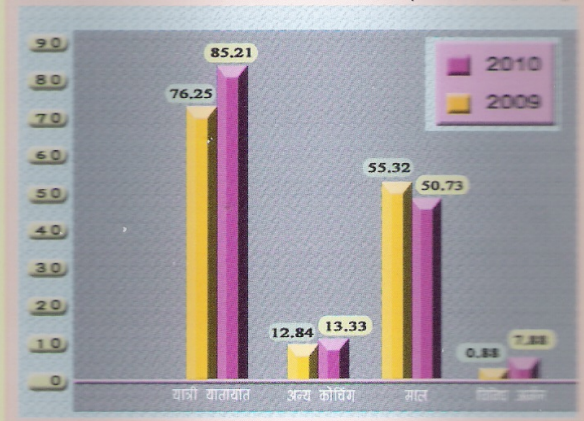

यॉत्रिक

- अवधि के दौरान रेल इंजनों को बंद रखने के फलस्वरूप कुल 216 कि.ली. एचएसडी तेल की बचत की गई।
- अवधि के दौरान 76 बीसी माल डिब्बों और 5 ब्रेक यानों को एयर ब्रेक प्रणाली में बदला दिया गया और कोचिंग डिपो गुवाहाटी में कुल 79 एसएलआर डिब्बों में गद्दीदार सीट एवं बैक रेस्ट लगाए गए।
- कामाख्या से खुलने वाली सभी गाड़ियों सहित गुवाहाटी से खुलने वाली 7 गाड़ियों में कामाख्या स्थित मैकेनाइज्ड लौण्ड्री से लिनन आपूर्ति किया जाना प्रारंभ किया जाना मंडल में यॉत्रिक विभाग की अन्य उपलब्धियों में एक है।

बिजली

उर्जा संरक्षण : उर्जा संरक्षण के मद्देनजर लामडिंग, गुवाहाटी, डिमापुर एवं चापरमुख के कार्यालयों/स्टेशनों तथा रेल आवासों में टी-12 एफएल फीटिंग को एफ-5 फीटिंग में तथा डब्ल्यू, एचपीएसवी फीटिंग को एमएच फीटिंग में बदला गया। 40 वाट आईसीएल को 15 वाट सीएफएल में तब्दील किया जाना एवं परंपरागत उर्जा मीटरों को इलेक्ट्रॉनिक उर्जा मीटरों में बदला जाना उर्जा संरक्षण के अहम कदम है।

इंजीनियरी

अक्टूबर-दिसम्बर के दौरान विभाग द्वारा कुल 954.040 मैट्रिक टन स्क्रेप का निपटान किया गया। इस अवधि में गैर परंपरागत स्रोतों से 75.475 लाख रूपए संग्रहित करना विभाग की एक विशेष उपलब्धि रही। इसमें भूमि लाइसेंस, जल प्रभार, भवन किराया, मजदूर कैम्प, अधिकारी विश्रामगृह प्रभार तथा निविदा विक्रय आदि की मदें शामिल हैं।

मंडल रेल महिला कल्याण संगठन

श्रीमती नीता पंडित की अध्यक्षता में 27 दिसम्बर, 2010 को स्थानीय अधिकारी क्लब में मंडल रेल महिला कल्याण संगठन, लामडिंग का वार्षिक समारोह संपन्न हुआ। श्री अजीत पंडित, मंडल रेल प्रबंधक कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। लामडिंग, बदरपुर तथा डिमापुर रेलवे स्कूल एवं केन्द्रीय विद्यालय, लामडिंग के कक्षा एक से बारहवी तक के रेल कर्मचारियों के कुल 37 बच्चे जिन्होंने अपनी संबंधित परीक्षाओं में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया, उन्हें नकद पुरस्कार तथा योग्यता प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया।

इसके अलावा संगठन द्वारा लामडिंग, बदरपुर तथा डिमापुर में आयोजित स्पॉट ड्राइंग एवं पेंटिंग तथा निबंध लेखन प्रतियोगिताओं में उपयुक्त स्थान प्राप्त करने वाले रेल कर्मचारियों के बच्चों को नकद पुरस्कार तथा योग्यता प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

श्रीमती नीता पंडित अध्यक्षा महिला कल्याण संगठन, लामडिंग पुरस्कार प्रदान करते हुए

राजभाषा

मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक : मंडल रेल प्रबंधक की अध्यक्षता में 27 दिसम्बर, 2010 को 15.30 बजे मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति, लामडिंग की तिमाही बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित विविध मदों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। कंप्यूटरों पर यूनीकोड प्रणाली द्वारा हिंदी का प्रयोग बढ़ाने तथा दैनिक कामकाज में राजभाषा का अधिकाधिक प्रयोग करने के संबंध में सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव दिए।

जुलाई-नवम्बर, 2010 सत्र में हिंदी भाषा प्रशिक्षण के लिए लामडिंग, बदरपुर तथा गुवाहाटी क्षेत्र के परीक्षा केन्द्रों से प्रवीण में 36 तथा हिंदी प्राज्ञ परीक्षा में 22 कर्मचारी शामिल हुए। संबंधित परीक्षाओं में शामिल सभी कर्मचारी उत्तीर्ण घोषित हुए। इस प्रकार मंडल में हिंदी भाषा में प्रशिक्षित कर्मचारियों का प्रतिशत 96.15 तक पहूंच गया। मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर परीक्षा केंद्र स्थापित कर शेष कर्मचारियों को प्रशिक्षत करने के लिए राजभाषा विभाग निरन्तर प्रयत्नशील है।

मंडल के प्रायः सभी कार्यालयों में हिंदी में कुछ न कुछ कार्य होता है। स्टेशनों में भी हिंदी का कार्यान्वयन सभी क्षेत्रों में हो रहा है। मंडल कार्यालय सहित कुल 10 कार्यालयों/स्टेशनों में राजभाषा कार्यान्वयन समितियॉ गठित हैं जो राजभाषा नीति के कार्यान्वयन पर निरंतर निगरानी रखती हैं।

विविध गतिविधियॉ

कौमी एकता दिवस – मंडल कार्यालय परिसर में 19 नवम्बर, 2010 को कौमी एकता दिवस के रूप में एक शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंडल के सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने प्रतिज्ञा ली की वे देश की एकता एवं अखंडता को अक्षुण्ण बनाने में अपने दायित्व का निर्वहन करेंगे।

सर्तकता जागरूकता सप्ताह– सर्तकता जागरूकता सप्ताह के दौरान 25 अक्टूबर, 2010 को 11.00 बजे मंडल कार्यालय परिसर में एक शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। मंडल के सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों को सर्तकता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 28 अक्टूबर, 2010 को मंडल कार्यालय तथा स्टेशन परिसर में मुख्य सतर्कता अधिकारी, मालीगॉव कार्यालय द्वारा आयोजित नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया गया।

पीएनएम बैठकः– पू. सी. रेल मजदूर युनियन, लामडिंग की 80वीं पीएनएम बैठक 25.11.2010 को आयोजित की गई।

रसोई यानों में सुझाव बॉक्स लगाया जाना :– अवधि के दौरान कुल 38 रसोई यानों में सुझाव बॉक्स लगाया गया। इससे गुवाहाटी रेक में चलने वाले सभी रसोई यानों में सुझाव बॉक्स की सुविधा उपलब्ध हो गई है।

अस्पताल सूचना प्रणाली प्रबंधन का शुभारंभ : अस्पताल सूचना प्रणाली प्रबंधन के प्रथम चरण का उद्घाटन 7 अक्टूबर, 10 को मंडल रेल अस्पताल, लामडिंग में किया गया।

पर्यावरण : मंडल रेल प्रबंधक के प्रेरणा से मंडल कार्यालय के निकटवर्ती क्षेत्र में लामडिंग स्टेशन यार्ड के समपार फाटक सं. एसटी/50 के समीप खाली पड़ी भूमि को एक सुन्दर बगीचे के रूप में सज्जित किया गया।

योजनाएं : लामडिंग, डिफु, अगरतला तथा सिलचर स्टेशनों पर वहिरंग एवं नैदानिक केन्द्र स्थापित करने की योजना के अधीन भूमि का सर्वेक्षण तथा चयन किया गया।

बहुउद्देश्यीय परिसरों के निर्माण : सिलचर, डिमापुर तथा अगरतला स्टेशनों पर रेल स्टेशन के निकटवर्ती क्षेत्र में प्रस्तावित बहुउद्देश्यीय परिसर के निर्माण की योजना प्रगति पर है। डिमापुर तथा अगरतला के परिसरों का निर्माण रेल विकास निगम लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है।

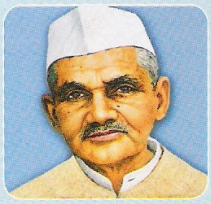

लक्ष्य को ही अपना जीवन-कार्य समझो। हर समय उसका चिंतन करो, उसी का स्वप्न देखो और उसी के सहारे जीवित रहो।

– लाल बहादुर शास्त्री

संरक्षक
अजीत पंडित
मंडल रेल प्रबंधक

मुख्य संपादक
हरपाल सिंह
अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी

संपादन एवं सहयोग
बलदेव सिंह
वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय

आर. के. कोईरी
राजभाषा अधिकारी